REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 6 | MARCH - 2019

मध्यप्रदेश एवं उत्तरी पूर्वी राज्यों के भू–सांस्कृतिक अन्तर सम्बन्ध – एक पहल

डॉ. विजय कुमार सिंह[1] , डॉ. पूर्णिमा लोदवाल[2]
[1]प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय,भोपाल.
[2]विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश.

प्रस्तावना –

सरदार वलल्भ भाई पटेल की 140वी जयंती के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को सुदृढ़ करने तथा विविध संस्कृतियों को पहचानने एवं सराहने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन देने, अनेकता में एकता को सुदृढ़ करने के लिए ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। इस योजना में मध्यप्रदेश राज्य को मणिपुर एवं नागालैण्ड राज्य के साथ पार्टनर किया गया है। इसी तारतम्य में मध्यप्रदेश का छः सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल श्री. आर. नायडू, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग के नेतृत्व में दिनांक 05.11.2017 से 10.11.2017 तक मणिपुर एवं नागालैण्ड के भ्रमण पर रहते हुए मणिपुर एवं नागालैण्ड राज्य के साथ 26 बिन्दुओं पर एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारत के विकास में सांस्कृतिक, ऐतिहासिक व शैक्षणिक समझ को पारस्परिक रूप से मजबूत कर अनेकता को चरितार्थ करने के लिए ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' अभियान आरंभ किया गया है। मध्यप्रदेश राज्य में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के अन्तर्गत सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड, गृह विभाग , खेल एवं युवक कल्याण विभाग, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश हस्तकरघा विकास निगम, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग शामिल हैं। इन सभी विभागों में समन्वय स्थापित करने के लिये श्री नीरज मंडलोई, पूर्व आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग को नोडल अधिकारी मनोनीत किया गया है।

उद्‌देश्य –

एक भारत श्रेष्ठ भारत का उद्‌देश्य देश के विभिन्न भागों के वर्तमान सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना और देश के अलग–अलग राज्यों में रहने वाले लोगों के बीच आपसी सम्पर्क बढ़ाना तथा राष्ट्रीय एकता सुदृढ़ करते हुए बेहतरीन साझेदारी करना है। **एक भारत श्रेष्ठ भारत** योजना का उद्‌देश्य उन भारतीयों के बीच भी संबंधों को प्रगाढ़ करना है जो पूरे देश में अलग–अलग भागों में रह रहे हैं। यह पहल लोगों को जोड़ने तथा एकता स्थापित करने के लिए है। विविध संस्कृतियों को पहचानने एवं सहारने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन देने, अनेकता में एकता को सुदृढ़ करने के लिए ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

इस योजना के तहत प्रत्येक वर्ष एक राज्य दूसरे राज्य से जुड़कर साझा संस्कृति को समझते हुए एकता के सूत्र में बंधेगा जो भारत की शक्ति एवं पहचान है जो सभी को एकता के धागे में पिरोये रखता है। इस योजना में मध्यप्रदेश राज्य को मणिपुर एवं नागालैण्ड राज्य के साथ पार्टनर किया गया है।

मध्यप्रदेश शासन के उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मण्डल का मणिपुर–नागालैण्ड भ्रमण प्रतिवेदन–

मध्यप्रदेश शासन का छः सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल श्री. आर. नायडू, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग के नेतृत्व में दिनांक 05.11.2017 से 10.11.2017 तक मणिपुर एवं नागालैण्ड राज्य का भ्रमण दल द्वारा किया गया।

मध्यप्रदेश दल द्वारा मणिपुर के भौगोलिक सांस्कृतिक एवं स्थानीय परिदृश्य के अध्ययन के उद्देश्य से इम्फाल से मोरे का भ्रमण किया वहां स्थानीय व्यक्तियों, धार्मिक सांस्कृतिक स्थल का भ्रमण कर स्थानीय संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त की। स्थानीय स्तर के हाट में सब्जी, फल, फूल, पेय पदार्थो और अन्य खाद्य सामग्री विभिन्न प्रकार के मांस व पक्षियों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान स्थानीय व्यक्तियों से चर्चा कर उपयोग के तरीके व नये प्रकार के फलों, सब्जी के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इसके साथ मणिपुर उत्सव के महत्वपूर्ण स्थल लेक की स्थिति, पर्यटन एवं संस्कृति की दृष्टि से स्थानीय संगीत/गायन, स्थानीय नृत्य, नाटिका, युद्ध के दृश्यों और पर्यटकों के भ्रमण की जानकरी ली गई। मध्यप्रदेश दल उनकी स्थानीय विशिष्टताओं व संस्कृति से अवगत हुआ।

मध्यप्रदेश दल मणिपुर के पश्चात नागालैण्ड प्रदेश की राजधानी कोहिमा के भ्रमण पर पहुंचा जहां उनकी स्थानीय संस्कृति व विशिष्टताओं से अवगत होना था। उन्होने उनकी आवासीय स्थिति, भौगोलिक संरचना आवासीय संरचना, सामाजिक गतिविधि व विशिष्टताओं – पहनावा, खान–पान, बच्चों युवाओं की स्थिति, महिलाओं की स्थिति कृषि व्यवसाय एवं रोजगार की स्थिति, धर्म एंव संस्कृति, खेलकूद एवं हस्तशिल्प के बारे में जानकारी प्राप्त की है। मध्यप्रदेश की प्रतिनिधि मड़ल ने निम्नलिखित स्थलों का भ्रमण किया–परम्परा धरोहर गांव का भ्रमण किया, विश्वयुद्ध द्वितीय संग्रहालय किसमा का अवलोक, राज्य जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण एवं अवलोकन एवं द्वितीय विश्वयुद्ध यादगार कब्रिस्तान का अवलोकन दल द्वारा किया गया।

नगालैण्ड के शिक्षिकों एवं विद्यार्थियों का मध्यप्रदेश भ्रमण प्रतिवेदन –

नागालैण्ड राज्य का 22 सदस्यीय दल 8 फरवरी 2018 से 13 फरवरी 2018 तक के लिये म.प्र. में शैक्षणेत्तर उच्च शिक्षा में भ्रमण पर आया। छः दिवसीय भ्रमण में नागालैण्ड टीम ने विभिन्न इतिहासिक और धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया जिसमें जनजाति संग्रहालय प्रमुख है जहॉ दल ने मध्यप्रदेश की 6 प्रमुख जनजातियों के रहन–सहन के बारे में जाना और नुकक्ड़ नाटकों का आनंद लिया। दल द्वारा सांची बौद्ध विश्वविद्यालय का भ्रमण कर बौद्ध एवं भारतीय दर्शन को जाना सांची से 14 कि.मी. दूरी पर स्थित उदयगिरि की 20 ऐतिहासिक गुफाओं में दल ने गुप्त काल की लिपि सहित हिन्दू देवी देवताओं के उकेरे चित्रों का अवलोकन किया। उज्जैन भ्रमण के दौरान नागालैण्ड से पधारे दल ने विक्रम विश्वविद्यालय एवं प्राचीन वैद्यशाला का अवलोकन किया जहॉ उन्होने कॉनिक कजन नामक शो देखा सौर्य तंत्र और आकाशगंगा के बारे में जाना। देश के अति प्राचीन इस शहर में दल ने संदीपनी आश्रम का दौरा किया जहॉ भगवान श्री कृष्ण ने शिक्षा ग्रहण की थी। पुरातत्व विभाग के संग्रहालय त्रिवेली में दल ने शैव, वैष्णव एवं शांक्त वीथिकाओं का अवलोकन किया जहॉ तीन संप्रदायों के सुंदर शिल्प प्रदर्शित थे। इसके पश्चात 12 ज्योर्तिलिंगों में से एक महाकाल मंदिर और राजा भद्रसेन की गूफा एवं काल भैरव मंदिर की पूजा की एवं मालवा की अनुठी चित्र शैली का अवलोकन किया।

नागालैण्ड दल ने इन्दौर स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर का भ्रमण किया एवं जहॅा उन्होने मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर देखा। मऊ में संविधान रचियता डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का स्मारक देखा एवं डॉ. बी. आर. अम्बेडकर समाज शास्त्र विश्वविद्यालय का भ्रमण किया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। इसके पश्चात सन 1766 में मराठा साम्राज्य के होल्कर के द्वारा निर्मित इतिहासिक स्थन राजवाड़ा का अवलोकन किया जो राजसी वैभव और वास्तुकला का अनुठा उदाहरण है। दल ने सराफा बाजार इन्दौर के स्वादिष्ट व्यंजनों का आस्वादन किया। मध्यप्रदेश एंव नागालैण्ड के छात्र–छात्राओं ने प्रस्तुतियों के माध्यम से साहित्यिक एंव सास्कृतिक आदान–प्रदान कर अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया।

मध्यप्रदेश के शिक्षिकों एवं विद्यार्थियों का नागालैण्ड भ्रमण प्रतिवेदन –

मध्यप्रदेश राज्य का 16 सदस्यीय दल दिनांक 14 मार्च 2018 से 24 मार्च 2018 तक नागालैण्ड की यात्रा पर गया। नागालैण्ड भारत के पूर्वोत्तर में खूबसूरत वादियों के मध्य बसे इस राज्य की भूमि विनम्र लोगों

की, किसानों की, प्राकृतिक तथा समृद्ध वनस्पति और दृश्य मन को मोहित करने के लिए पर्याप्त है। भ्रमण दल द्वारा टेत्सो महाविद्यालय दीमापुर, जाफू क्रश्चियन महाविद्यालय कोहिमा, सेंट जोसेफ महाविद्यालय जखामा एवं सेंज जॉन कालेज पटकाई महाविद्यालय अदि का भ्रमण किया गया। जहां महाविद्यालय पर ही परम्परागत नागा परिधान में नागा छात्र/छात्राओं ने लयबद्ध तरीके से लोक नृत्य प्रस्तुत कर भ्रमणदल का मन मोहलिया साथ ही विद्यार्थियों के बीच वैचारिक आदान–प्रदान हुआ एवं भ्रमणदल एवं नागा विद्यार्थियों द्वारा सास्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

द्वितीय विश्वयुद्ध सिमेट्री के भ्रमण का अवसर दल को प्रप्त हुआ। यहां के हुतात्मओं की समाधियों को देखकर हृदय उत्सर्ग के भाव से भर गया। सेमेट्री के द्वार पर अंग्रजी में लिखा था जिसका भाव था कि **''जब आप घर जाएं तब अपने बच्चों को यह अवश्य बताएं कि तुम्हारे कल के लिए हमने अपने आज का बलिदान दिया था।''** दल को जूलॉजिकल पार्क के भ्रमण का भी अवसर प्राप्त हुआ। भ्रमण दल को राजभवन कोहिमा में महाहिम राज्यपाल श्री पी. बी. आचार्य से दल की भेंट हुई। महाहिम ने अपने उद्बोधन में कहा कि यहां की भाषा संस्कृति एवं वनस्पतिक सम्पदा पर शोध की आवश्यकता है हमें दूसरे प्रांतो की भाषा–बोली का भी अध्ययन करना चाहिए। राष्ट्रनिर्माण के लिए यह आवश्यक है।

मध्यप्रदेश के शिक्षिकों एवं विद्यार्थियों का मणिपुर भ्रमण प्रतिवेदन –

मध्यप्रदेश राज्य का 16 सदस्यीय दल दिनांक 21 मार्च 2018 से 24 मार्च 2018 तक नागालैण्ड की यात्रा पर गया। मणिपुर की अपनी विशिष्ट संस्कृति व रीति–रिवाजों के लिए प्रसिद्ध यह भूमि नृत्य, संगीत व पारम्परिक प्रथाओं से युक्त है। यहॉ के लोग सृजनशील होते हैं तथा इनके उत्पादन विश्वभर में अपनी डिजाइन, कौशल व उपयोगिता के लिए जाने जाते हैं। यह प्रदेश भारत के सुदूर उत्तर पूर्वी छोर पर स्थित है और इसका अधिकांश भाग पहाडियों से घिरा हुआ है। यहॉ के नृत्यों में राधा'कृष्ण रासलीला, बंसत रास, लाई हरोबा, खंभाथोईबी प्रमुख हैं।

भ्रमण दल द्वारा माओगेट से चलकर इम्फाल के डी. एम. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं पणिपुर कॉलेज का भ्रमण किया जिस में स्थानीय एवं भ्रमण दल के विद्यार्थियों ने सास्कृतिक प्रस्तुतियॉ दी। इसी अवसर पर भ्रमण दल को महामहिम राज्यपाल मणिपुर से भेंट का अवसर दल को प्राप्त हुआ। महामहिम नजमा हेपदुल्ला ने अपने विद्यार्थी जीवन की भोपाल जे जुडी स्मृतियॉ ताजा की तथा भारतीय सास्कृतिक चेतना तथा मणिपुरी सस्कृतिक वैशिष्ट्य पर प्रकाश डाला। इसी दौरान मणिपुरी लोग गीतों, लोक नृत्यों, युद्ध कला, रासलीला आदि मन मोहक संस्कृतिक प्रस्तुतियॉ दी गई।

मणिपुर के शिक्षिकों एवं विद्यार्थियों का मध्यप्रदेश भ्रमण प्रतिवेदन –

इसी श्रृंखला में मणिपुर का 23 सदस्यीय दल दिनांक 23.09.2018 से 27.09.2018 तक भ्रमण पर भोपाल पहुँचा जहाँ मध्यप्रदेश के व्यंजनों के साथ नाश्ता करने के बाद दल को जनजाति संग्रहालय भ्रमण किया। इसके पश्चात भोपाल के रमणीय स्थल लेक व्यू में प्रिसेज क्रूज से जल विहार का आनंद लिया। भोपाल के उत्कृष्टता संस्थान में वैचारिक व सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत को पावर पाइंट प्रजैण्टेंशन से बताया गया।

दल को ज्ञान विज्ञान भवन बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल में 50 वें राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर आयोजित राज्य स्तर राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार/प्रशस्ति वितरण समारोह में माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया जी ने सम्पूर्ण दल को बुके व अंग वस्त्र प्रदान कर स्वागत किया एवं माननीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के विचार के माध्यम से अलग–अलग प्रदेश के युवाओं को विभिन्न प्रदेशाों की भाषा, सभ्यता, संस्कृति, रहन–सहन, शिक्षा, विचार, ऐतिहासिक व पुरातात्विक धरोहर आदि को नजदीक से समझने का अवसर प्राप्त हो रहा है। भ्रमण दल द्वारा सांची बौद्ध स्तूप का भ्रमण कर अवलोकन किया। विदिशा एवं इंदौर के भ्रमण पर साहित्य और सांस्कृति का आदान–प्रदान किया गया।

मध्यप्रदेश, मणिपुर–नागालैण्ड राजकीय भाषा को जानना –

''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के अन्तर्गत मणिपुर–नागालैण्ड राज्य के विद्यार्थियों को राजकीय भाषा जानने के लिए 100 सुवाक्यों की सूची मध्य प्रदेश, नागालैण्ड और मणिपुर की राजकीय भाषा में तैयार कर उच्च

शिक्षा विभाग, नागालैण्ड तथा मणिपुर को प्रेषित कर कहाँ गया है कि इन सुवाक्यों को अपने विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाकर एक—दूसरे राज्य की राजकीय भाषा के सुवाक्यों को सिखने के लिए प्रोत्साहित करें। जिसमें से मध्यप्रदेश के राजकीय भाषा के सुवाक्यों को सिखने वाले विद्यार्थियों की संख्या निम्नानुसार है—

मध्यप्रदेश, मणिपुर—नागालैण्ड राजकीय भाषा को जानने वाले विद्यार्थियों की तालिका

विद्यार्थियों की संख्या	छात्रों की संख्या	छात्राओं की संख्या
3740	1618	2122

मध्यप्रदेश, मणिपुर—नागालैण्ड राजकीय भाषा के सुवाक्यों की तालिका

S No	Nagaland	NagalandManipur	Madhya Pradesh
1.	What is your name?	Nanggi Ming Kari Kouyye?	आपका नाम क्या है?
2.	How are you?	Nahag kamdourige?	आप कैसे हैं ?

मध्यप्रदेश, मणिपुर—नागालैण्ड राज्य के सामान्य ज्ञान के विषय में जानना —

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के अन्तर्गत मणिपुर—नागालैण्ड राज्य के विद्यार्थियों को एक—दूसरे राज्य के सामान्य ज्ञान के विषय में जानने के लिए 50—50 प्रश्नों की सूची मध्य प्रदेश, नागालैण्ड और मणिपुर की तैयार कर उच्च शिक्षा विभाग, नागालैण्ड तथा मणिपुर को प्रेषित कर कहाँ गया है कि इन सामान्य ज्ञान के प्रश्नों को अपने विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाकर एक—दूसरे राज्य के सामान्य ज्ञान से एक—दूसरे राज्य की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। सामान्य ज्ञान के वस्तुनिष्ठ प्रश्न निम्नानुसार है —

मध्यप्रदेश के सामान्य ज्ञान वस्तुनिष्ठ प्रश्न बैंक —

1. मध्य प्रदेश का एकीकरण किस वर्ष हुआ था ?
   (अ) 1954 (ब) 1955 (स) 1956 (द) 1959
2. जन संख्या की दृष्टि से देश में मध्य प्रदेश का स्थान है ?
   (अ) तीसरा (ब) छठा (स) पांचवा (द) सातवां

नागालैण्ड के सामान्य ज्ञान वस्तुनिष्ठ प्रश्न बैंक —

3. नागालैण्ड के प्रमुख निवासी होते है ?
   (अ) तिबेतो—बर्मन जनजाति (ब) कृकी जनजाति (स) दिमासा जनजाति (द) से सभी
4. अगामी प्रजाति निवासी हैं ?
   (अ) दीमापुर (ब) काहिमा (स) जपफू (द) यिमिक्यांग

मणिपुर के सामान्य ज्ञान वस्तुनिष्ठ प्रश्न बैंक —

5. किस वर्ष मणिपुर को अलग राज्य के रूप में स्थापित किया गया था ?
   (अ) 1992 (ब) 1980 (स) 1970 (द) 1972
6. मणिपुर की राजधानी कौनसी है ?
   (अ) सेनापति शहर (ब) तेमेग्लांग शहर (स) चंदेल शहर (द) इम्फाल शहर

सामान्य ज्ञान वस्तुनिष्ठ प्रश्न बैंक – उत्तर

1	2	3	4	5	6
स	ब	द	ब	द	द

निष्कर्ष–

एक भारत श्रेष्ठ भारत का उद्देश्य देश के विभिन्न भागों के वर्तमान सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना और देश के अलग–अलग राज्य ों में रहने वाले लोगों के बीच आपसी सम्पर्क बढ़ाना तथा राष्ट्रीय एकता सुदृढ़ करते हुए बेहतरीन साझेदारी करना है। **एक भारत श्रेष्ठ भारत** योजना का उद्देश्य उन भारतीयों के बीच भी संबंधों को प्रगाढ़ करना है जो पूरे देश में अलग–अलग भागों में रह रहे हैं। यह पहल लोगों को जोड़ने तथा एकता स्थापित करने के लिए है। विविध संस्कृतियों को पहचानने एवं सहारने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन देने, अनेकता में एकता को सुदृढ़ करने के लिए ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

इस योजना में मध्यप्रदेश राज्य को मणिपुर एवं नागालैण्ड राज्य के साथ पार्टनर किया गया है। मध्यप्रदेश राज्य के सात विभागों को ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के अन्तर्गत सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड, गृह विभाग , खेल एवं युवक कल्याण विभाग, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश हस्तकरघा विकास निगम, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग को नागालैण्ड मणिपुर के साथ पार्टनर किया गया है।

मध्यप्रदेश राज्य में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के अन्तर्गत मध्यप्रदेश, नागालैण्ड–मणिपुर के विद्यार्थियों ने एक–दूसरे राज्य की सास्कृतिक विशेषताओं, खान–पान वेशभूषा वहॉ की बोलियों व भाषाओं, जीवन शैली आदि का अध्ययन कर वहॉ की विरासत को जानने समझने का प्रयास किया तथा प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण किया साथ ही ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के उद्देश्यों जैसे राष्ट्रीय एकता को बढावा देना, दीर्घकालीन संबधों की स्थापना, सम्पन्न व वैविध्यपूर्ण संस्कृति एवं परम्पराओं का अध्ययन, राज्यों के मध्य श्रेष्ठ गतिविधियों व अनुभवों के आदान–प्रदान द्वारा नवीन वातावरण तैयार करना आदि को प्राप्त करने का सफल प्रयास किया। इस योजना के तहत एक राज्य दूसरे राज्य से जुड़कर साझा संस्कृति को समझते हुए एकता के सूत्र में बंधा जो भारत की शक्ति एवं पहचान है जो सभी को एकता के धागे में पिरोये रखता है। जो छात्र–छात्राओं के विचार से यह योजना मील का पत्थर साबित हो रही है।